CBSE Board Paper Solution-2020

कक्षा	: X
विषय	: **हिन्दी** (अ)
सेट	: **2**
कोड नं	: **3/1/2**
निर्धारित समय	: 3 **घण्टे**
अधिकतम अंक	: 80

खंड 'क'

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिएः 10

मनुष्य का सबसे बड़ा गुण है, आत्मनिर्भरता तथा सबसे बड़ा अवगुण है, स्वावलंबन का अभाव| स्वावलंबन सबके लिए अनिवार्य है| जीवन के मार्ग में अनेक बाधाएँ आती हैं| यदि उनके कारण हम निराश हो जाएँ, संघर्ष से जी चुराएँ या मेहनत से दूर रहें तो भला हम जीवन में कैसे होंगे? अत: आवश्यक है कि हम स्वावलंबन बनें तथा अपने आत्मविश्वास को जाग्रत करके मज़बूत बनें| यदि व्यक्ति स्वयं में आत्मविश्वास जाग्रत कर ले तो दुनिया में ऐसा कोई कार्य नहीं है जिसे वह न कर सके| स्वयं में विश्वास करने वाला व्यक्ति जीवन के हर क्षेत्र में कामयाब होता जाता है| सफलता स्वावलंबी के पैर छूती है| आत्मविश्वास तथा आत्मनिर्भरता से आत्मबल मिलता है, जिससे

आत्मा का विकास होता है तथा मनुष्य श्रेष्ठ कार्यों की ओर प्रवृत होता है| स्वावलंबन मानव में गुणों की प्रतिष्ठा करता है| आत्मसम्मान, आत्मविश्वास, आत्मबल, आत्मरक्षा, साहस, संतोष, धैर्य आदि गुण स्वावलंबन के सहोदर हैं| स्वावलंबन व्यक्ति, राष्ट्र तथा मानव मात्र के जीवन में सर्वांगीण सफलता प्राप्ति का महामंत्र है|

(क) जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए कौन-सा गुण आवश्यक है और क्यों? 2

(ख) आत्मविश्वास क्यों आवश्यक है और कैसे जाग्रत हो सकता है? 2

(ग) स्वावलंबन का सहोदर किसे कहा गया है और क्यों? 2

(घ) स्वावलंबन का अभाव मनुष्य का सबसे बड़ा अवगुण क्यों है? 2

(ङ.) 'आत्मबल' के लिए क्या आवश्यक है? 1

(च) उपर्युक्त गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक लिखिए| 1

उत्तर-

(क) जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए स्वावलंबन का गुण आवश्यक है, क्योंकि सफलता स्वावलंबी मनुष्य के पैर छूती है|

(ख) स्वयं में विश्वास करने वाला व्यक्ति जीवन के हर क्षेत्र में कामयाब होता है| यदि व्यक्ति स्वयं में आत्मविश्वास जाग्रत कर ले तो दुनिया में ऐसा कोई कार्य नहीं है जिसे वह न कर सके|

(ग) आत्मसम्मान, आत्मविश्वास, आत्मबल, आत्मरक्षा, साहस, संतोष, धैर्य आदि गुण स्वावलंबन के सहोदर हैं| स्वावलंबन व्यक्ति, राष्ट्र तथा मानव मात्र के जीवन में सर्वांगीण सफलता प्राप्ति का महामंत्र है|

(घ) स्वावलंबन का अभाव मनुष्य का सबसे बड़ा अवगुण है| प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में अनेक बाधाएँ आती हैं| यदि उनके कारण हम निराश हो जाएँ, संघर्ष से जी चुराएँ या मेहनत से दूर रहें तो हम जीवन में कभी भी सफल नहीं हो सकते| अत: स्वावलंबन सबके लिए अनिवार्य है|

(ङ.) आत्मविश्वास तथा आत्मनिर्भरता से आत्मबल मिलता है, जिससे आत्मा का विकास होता है|

(च) गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक है – 'स्वावलंबन की आवश्यकता'|

खंड 'ख'

2. निर्देशानुसार उत्तर लिखिए – 1x4=4

(क) एक साल पहले बने कॉलेज में शीला अग्रवाल की नियुक्ति हुई थी| (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

(ख) जो व्यक्ति साहसी है उनके लिए कोई कार्य असंभव नहीं है| (सरल वाक्य में बदलिए)

(ग) सवार का संतुलन बिगड़ा और वह गिर गया| (मिश्र वाक्य में बदलिए)

(घ) केवट ने कहा कि बिना पाँव धोए आपको नाव पर नहीं चढाऊँगा| (आश्रित उपवाक्य छाँटकर भेद भी लिखिए)

उत्तर-

(क) एक साल पहले कॉलेज बना था और उसमें शीला अग्रवाल की नियुक्ति हुई थी|

(ख) साहसी व्यक्ति के लिए कोई कार्य असंभव नहीं है|

(ग) जैसे ही सवार का संतुलन बिगड़ा, वैसे ही वह गिर गया|

(घ) बिना पाँव धोए आपको नाव पर नहीं चढ़ाऊँगा| (संज्ञा आश्रित उपवाक्य)

3. निर्देशानुसार वाच्य परिवर्तन कीजिए| 1×4=4

(क) किसान के द्वारा खेत की जुताई की गई| (कृतवाच्य में बदलिए)

(ख) कितने कंबल बँटे? (कर्मवाच्य में बदलिए)

(ग) आओ, यहाँ बैठ सकते हैं| (भाववाच्य में बदलिए)

(घ) सैनिकों द्वारा देश की रखवाली की जाती है| (कर्तृवाच्य में बदलिए)

उत्तर-

(क) किसान ने खेत की जुताई की|

(ख) कितने कंबल बाँटे गए|

(ग) आओ, यहाँ बैठा जा सकता है|

(घ) सैनिक देश की रखवाली करते हैं|

4. निम्नलिखित वाक्यों के रेखांकित पदों का पद-परिचय दीजिए|1x4=4

(क) सफेद घोडा तेज़ भागता है|

(ख) खीरा लज़ीज होता है|

(ग) यह भाषा किस क्षेत्र में बोली जाती है?

(घ) वह हमेशा सच बोलता है|

उत्तर-

(क) विशेषण, गुणवाचक विशेषण, रंगबोधक, एकवचन, पुल्लिंग|

(ख) संज्ञा, जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग|

(ग) विशेषण, सार्वनामिक विशेषण, पुल्लिंग, एकवचन|

(घ) क्रिया विशेषण, कालवाचक, अव्यय|

5. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार के उत्तर लिखिए| 1×4=4

(क) निम्नलिखित काव्य पंक्तियों में रस पहचान कर लिखिए|

एक ओर अजगरहिं लखि, एक ओर मृगराय|

विकल बटोही बीच ही, पर्यो मूर्छा खाय||

(ख) 'रौद्र रस' का एक उदाहरण लिखिए|

(ग) 'करुण रस' का स्थायी भाव क्या है?

(घ) उद्दीपन से आप क्या समझते हैं?

(ङ) स्थायी भाव से क्या अभिप्राय है?

उत्तर-

(क) भयानक रस

(ख) श्रीकृष्ण के सुन वचन अर्जुन क्रोध से जलने लगे|
सब शोक अपना भूलकर करतल-युगल मलने लगे|
संसार देखे अब हमारे शत्रु रण में मृत पड़े|
करते हुए यह घोषणा वे हो गए उठकर खड़े|

(ग) 'करुण रस' का स्थायी भाव 'शोक' है|

(घ) उद्दीपन विभाव – जिन वस्तुओं या परिस्थितियों को देखकर स्थायी भाव उद्दीपन होने लगता है, वह उद्दीपन विभाव कहलाता है|

(ङ) सहृदय के हृदय में जो भाव स्थायी रूप से विद्यमान रहते हैं, उन्हें स्थायी भाव कहा जाता है|

खंड 'ग'

6. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए- 2×4=8

(क) बालगोबिन भगत के गीतों का खेतों में काम करते हुए और आते-जाते नर-नारियों पर क्या प्रभाव पड़ता था?

(ख) 'लखनवी अंदाज' रचना में नवाब साहब की सनक को आप कहाँ तक उचित ठहराएँगे? क्यों?

(ग) फादर बुल्के ने भारत में रहते हुए हिंदी के उत्थान के लिए क्या कार्य किए?

(घ) 'एक कहानी यह भी' पाठ के आार पर लेखिका के पिताजी के सकारात्मक औरनकारात्मक गुणों का उल्लेख कीजिए।

(ङ) बिस्मिल्ला खाँ की तुलना कस्तूरी मृग से क्यों की गई है?

उत्तर-

क. बालगोबिन भगत समूचा शरीर कीचड़ में लिथड़े अपने खेत में रोपनी करते थे| उनकी अँगुली एक-एक धान के पौधे को पंक्तिबद्ध खेत में बिठा रही है| उनका कंठ-एक-एक शब्द को संगीत के जीने पर चढ़ाकर कुछ को ऊपर स्वर्ग की ओर भेज रहा होता और कुछ को इस पृथ्वी की मिट्टी पर खड़े लोगों के कानों की ओर बच्चे खेलते हुए झूम उठते| मेंड़ पर खड़ी औरतों के होंठ काँप उठते,वे गुनगुनाने लगती, हलवाहों के पैर ताल से उठने लगते, रोपनी करने वालों की अँगुलियाँ एक अजीब क्रम में चलने लगती थी| यही बालगोबिन के गीतों का प्रभाव ही था|

ख. 'लखनवी अंदाज' रचना में नवाब साहब की सनक हमारी दृष्टि में उचित नहीं थी| खीरा एक सस्ता खाद्य पदार्थ है| अत: नवाब

साहब यह सोचते थे कि खीरा उनके स्तर के अनुकूल नहीं है| इसलिए वे खीरे को छीलकर, काटकर, उस पर नमक मिर्च लगाकर उसको सूँघ-सूँघ कर फेंक रहे थे| हमारी दृष्टि से खाद्य वस्तु को इस तरह फेकना उचित नहीं है| यह उनका झूठा अंह है| और उस झूठे अंह को संतुष्ट करने के लिए वे खाद्य पदार्थ को अपमान कर रहे हैं जो किसी भी दृष्टि से उचित नहीं कहा जा सकता|

ग. फादर बुल्के ने भारत में रहते हुए हिंदी के उत्थान के लिए अनेक कार्य किए जैसे उन्होंने अपना शोध पत्र 'रामकथा:उत्पत्ति और विकास' फादर ने मातरलिंक के प्रसिद्ध नाटक 'ब्लू बर्ड' का हिंदी रूपांतर किया| उन्होंने प्रसिद्ध अंग्रेजी हिंदी कोश तैयार किया और बाइबिल का अनुवाद हिंदी में किया| उन्होंने जीवन भर हिंदी को राष्ट्रभाषा बनवाने का प्रयास किया|

घ. 'एक कहानी यह भी' पाठ के आधार पर लेखिका के पिताजी के सकरात्मक व नकरात्मक गुण इस प्रकार है-

सकरात्मक गुण-पिताजी लेखिका को चूल्हे-चौके से दूर रखना चाहते थे| वे चाहते थे कि लेखिका उच्चशिक्षा प्राप्त करे व राजनितिक बहसों में हिस्सा ले|

नकरात्मक गुण-पिताजी बाहरी सौंदर्य को महत्त्व देते थे इस कारण वह लेखिका के साँवले होने पर उसकी बड़ी बहन को अधिक प्यार देते थे|

ङ. बिस्मिल्ला सुर में माहिर होने के बाद भी ईश्वर से सुर बक्श देने की प्रार्थना करते थे| वे ऐसे सुर चाहते थे जिसकी तासीर से आँखों से आँसू निकल आए| वे स्वयं को पूर्ण नहीं मानते थे| वे हिरण की तरह अपनी ही महक से परेशान पूरे जंगल में उस वरदान को खोजता है जिसमें उसकी गमक समाई है| अस्सी बरस से बिस्मिल्ला खाँ भी यही सोचते आ रहे थे कि सातों सुरों को बरतने की तमीज उन्हें सलीके से अब तक नहीं आई है|

7. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए- 2x3=6

पानवाले के लिए यह एक मजेदान बात थी लेकिन हालदार साहब के लिए चकित और द्रवित करने वाली। यानी वह ठीक ही सोच रहे थे। मूर्ति के नीचे लिखा 'मूर्तिकार मास्टर मोतीलाल' वाकई कस्बे का अध्यापक था। बेचारे ने महीने-भर में मूर्ति बनाकर पटक देने का वादा कर दिया होगा। बना भी ली होगी लेकिन पत्थर में पारदर्शी चश्मा कैसे बनाया जाए- काँचवाला - यह तय नहीं कर पाया होगा। या कोशिश की होगी और असफल रहा होगा। या बनाते-बनाते 'कुछ और बारीकी' के चक्कर में चश्मा टूट गया होगा। या पत्थर का चरूमा अलग से बनाकर फिट किया होगा और वह निकल गया होगा। उफ.....!

(क) पानवाले के लिए क्या बात मजेदार थी और क्यों?

(ख) हालदार साहब की दृष्टि में कस्बे का अध्यापक 'बेचारा' क्यों था?

(ग) हालदार साहब ने नेताजी की प्रतिमा पर चश्मा न होने की क्या - क्या संभावनाएँ व्यक्त कीं?

उत्तर-

क. पानवाले के लिए यह बात मज़ेदार थी कि कैप्टन चश्मे वाला रोज मूर्ति का चश्मा बदल देता है क्योंकि उसके लिए यह कोई देशभक्ति से जुड़ी बात दिखाई नहीं देती थी|

ख. हलदार साहब की दृष्टि में कस्बे का अध्यापक मास्टर मोतीलाल, जिसने यह मूर्ति बनाई थी क्योंकि उस पर जल्दी बनाने का दबाव देकर यह मूर्ति बनवाई थी | जल्दी बनाने के दबाव के कारण वह मूर्ति पर चश्मा लगाना भूल गया था|

ग. हलदार साहब ने नेताजी की प्रतिमा पर चश्मा न होने के अनेक संभावनाएँ प्रकट की थीं कि मूर्तिकार को यह समझ नहीं आया होगा कि पारदर्शी चश्मा कैसे बनाया जाए-काँचवाला- वह तय नहीं कर पाया होगा या कोशिश की होगी उअर असफल रहा होगा या बनाते-बनाते कुछ और बारीकी के चक्कर में चश्मा टूट गया होगा या पत्थर अलग से बनाकर फिट किया होगा और वह निकल गया होगा|

8. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए- 2x3=6

हरि हैं राजनीति पढ़ि आए।

समुझी बात कहत मधुकर के, समाचार सब पाए।

इक अति चतुर हुते पहिलैं ही, अब गुरु ग्रंथ पढ़ाए।

बढ़ी बुद्धि जानी जो उनकी, जोग-सँदेस पठाए।

ऊधौ भले लोग आगे के, पर हित डोलत धाए।

अब अपनै मन फेर पाइहैं, चलत जु हुते चुराए।

ते क्यौं अनीति करैं आपुन, जे और अनीति छुड़ाए।

राज धरम तौ यहै 'सूर', जो प्रजा न जाहिं सताए।।

(क) 'इक अति चतुर हुते पहिलैं ही, अब गुरु ग्रंथ पढ़ाए।' में निहित व्यंग्य को समझाइए।

(ख) श्रीकृष्ण द्वारा चुराए गए मन को वापस माँगने में निहित गोपियों की मनोव्यथा को स्पष्ट कीजिए

(ग) गोपियों के अनुसार सच्चा राजधर्म क्या है? उन्होंने 'राजधर्म' का उल्लेख क्यों किया है?

उत्तर-

क. इस पंक्ति में गोपियाँ कृष्ण पर व्यंग्य करती हैं कि एक तो कृष्ण पहले से ही बहुत चुतर थे कि उन्होंने गोपियों का ह्रदय चुरा लिया था| अब तो गुरु से राजनीति पढ़ आए है और राजनीति सीखकर उन्हें योग का संदेश भेजा है जबकि उन्हें गोपियों को संतुष्ट करने के लिए स्वयं स्वयं आना चाहिए था तो उन्होंने दूत को योग संदेश देने के लिए भेजा है| गोपियों के निस्वार्थ प्रेम की आवश्यकता नहीं है|

ख. गोपियाँ अत्यंत भाव विह्वल होकर कहती है कि कृष्ण उनका मन चोरी से अपने साथ ले गए थे अब उन्हें वापस दे दें| इससे स्पष्ट होता है कि कृष्ण उनका हृदय वापस कर दें|

ग. गोपियों के अनुसार सच्चा राजधर्म अपनी प्रजा का पालन करना और उसके सुख-दुख का ध्यान रखना होता है| गोपियों ने 'राजधर्म' का उल्लेख इसलिए किया है क्योंकि कृष्ण ने राजधर्म नहीं निभाया है| गोपियों रूपी अपनी प्रजा का योग संदेश भेजकर उनका मन दुखाया है| उन्हें स्वयं आकर अपने दर्शन गोपियों को देने चाहिए थे किंतु उन्होंने ऐसा न करके राजधर्म का पालन नहीं किया है|

9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लगभग 30 - 40 शब्दों में लिखिए – 2x4=8

(क) 'अट नहीं रही है ' कविता में 'उड़ने को नभ में तुम पर-पर क्र देते हो' के आलोक में बताइये की फागुन लोगों के मन को किस तरह प्रभावित करता है?

(ख) शिशु के धूलि -धूसरित शरीर को देखकर कवि नागार्जुन ने क्या कल्पना की?

(ग) प्रभुता की कामना को मृगतृष्णा क्यों कहा गया है? 'छाया मत छूना' कविता के आधार पर लिखिए।

(घ) 'संगतकार' कविता में कवि ने आम लोगों से क्या अपेक्षा की है?

(ङ) परशुराम के प्रति लक्ष्मण के व्यवहार पर अपने विचार लिखिए|

उत्तर-

क. फागुन मास में वृक्षों-पौधों के पत्ते हवा में लहराते हुए फड़-फड़ाने लगते हैं| मानों वे ख़ुशी से आकाश में उड़ जाना चाहते हैं| फागुन में मानव के तन पर मस्ती छा जाती है| जिसके कारण लोगों के चेहरों पर ख़ुशी झलक-झलक उठती है|

ख. शिशु के धूलि-धूसरित शरीर को देखकर कवि नागार्जुन कल्पना करता है कि मानों कमल के फूल तालाब में नहीं, बल्कि मेरी झोपड़ी में खिल उठे हो| आशय यह है कि तुम्हारे धूल-सने शरीर को देख मन कमल के समान खिल उठता है|

ग. प्रभुता की कामना को मृगतृष्णा कहा गया है क्योंकि मृगतृष्णा झूठे आकर्षणों का प्रतीक है| जिस प्रकार हिरण को धूप के कारण तपती हुई रेत दूर से पानी जैसी दिखाई देती है, किंतु वह सच नहीं होती, उसी प्रकार यश और वैभव भी व्यर्थ के आकर्षण होते हैं|

घ. 'संगतकार' कविता में कवि ने आम लोगों से अपेक्षा करते हैं कि वे कलाकारों के अपना स्वर नीचे रखने को उसकी कमजोरी नहीं मानवता समझे जो कि वह मुख्य गायक के सम्बल को बनाए रखता है| अत: आम लोगों को उसका आदर करना चाहिए और उसके मनोबल को बनाए रखना चाहिए|

ङ. मुनि परशुराम जी ने अपने गुरु शिवजी का धनुष टूटा देखा तो वे जनक की सभा में क्रोध प्रकट करने लगे| जब लक्ष्मण ने पहले

तो परशुराम को कहा कि धनुष तोड़ने वाले के मन में आपके गुरु के अपमान का भाव नहीं है| जब इस पर भी परशुराम प्रचंड होने लगे तो लक्ष्मण ने व्यंग्य, कटाक्ष और चुनौती के स्वर में अपनी प्रतिक्रिया दी|

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50 -60 शब्दों में लिखिए - 3x2=6

(क) 'बच्चे रोना-धोना, पीड़ा, आपसी झगड़े ज्यादा देर तक अपने साथ नहीं रख सकते हैं। 'माता का आँचल' पथ के आधार पर इस कथन के उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

(ख) जॉर्ज पंचम की लाटकी टूटी नाक लगाने के क्रम में पुरातत्व विभाग की फाइलों की छानबीन की जरूरत क्यों आ गई? क्या उससे समाधान संभव था? क्यों?

(ग) यात्राएँ विभिन्न संस्कृतियों से परिचित होने का अच्छा माध्यम हैं। 'साना-साना हाथ जोड़ि' यात्रा वृत्तांत के आधार पर इस कथन की समीक्षा कीजिए।

उत्तर-

क. बच्चे रोना-धोना, पीड़ा, आपसी झगड़े ज्यादा देर तक अपने साथ नहीं रख सकते हैं यह 'माता का आँचल' पाठ से सिद्ध होता है| शिशु भोलानाथ को अध्यापक डाँटते हैं तो उसे रोता देख उसके पिताजी उसे घर ले जाने के लिए लेकर चल देते हैं| तो वह रो रहा होता है लेकिन साथ के बच्चों को खेलता देखकर

वह खेलने लगता है| इसी प्रकार चोट लगन, आपस में झगड़ने पर भी वह पुन: खेलने लगता है| अत: सिद्ध होता है कि बच्चे रोना-धोना, पीड़ा आपसी झगड़े ज्यादा देर तक अपने साथ नहीं रख सकते वे सब भूलकर पुन: खेलने लग जाते हैं|

ख. जॉर्ज पंचम की लाट की टूटी नाक लगाने के क्रम में जब मूर्तिकार ने ये कहा कि नाक तो वह लगा देगा परंतु उसे बताया जाए कि इस लाट का पत्थर कहाँ से लाया गया था| उसका यह सवाल सुनते ही हुक्कामों के चेहरों पर हवाइयाँ उड़ गई| आख़िरकार पुरातत्व विभाग की फाइलों के ढेर खोले गए| इससे समाधान संभव था क्योंकि पुरानी फाइलों में इसका जिक्र अवश्य होता कि लाट के लिए पत्थर कहाँ से आया| पत्थर कहाँ से आया| पत्थर का पता चलते हिया समस्या का समाधान संभव हो जाता |

ग. 'साना-साना हाथ जोड़ि' पाठ के आधार पर हम कह सकते हैं कि 'यात्राएँ विभिन्न संस्कृतियों से परिचित होने का अच्छा माध्यम है|' यात्रा करने से हम विभिन्न स्थानों के स्थानीय निवासियों से मिलते हैं और उनका परिचय प्राप्त करते हैं| स्थान विशेष की संस्कृति को जानते है, समझते है और अपनी संस्कृति से तुलना कर उसका सामान्यीकरण करते हैं| विभिन्न संस्कृतियाँ हमें प्रभावित करती हैं और उसके कुछ गुण भी अपना लेते हैं|

खंड-घ

11. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत-बिंदुओं के आधार पर लगभग 200 से 250 शब्दों में निबंध लिखिए- 10

(क) महात्मा गांधीजी की 150 वीं जयंती

- मनाने के उदेश्ये
- गांधीजी का जीवन
- आजादी के आंदोलन में भूमिका
- प्रासंगिकता

(ख) महाननगरीय भीड़भाड़ और मेट्रो

- यातायात और भीड़ भाड़
- प्रदूषण की समस्या
- मेट्रो रेल की भूमिका
- मेट्रो के लाभ

(ग) ग्लोबल वार्मिंग और जन-जीवन

- ग्लोबल वार्मिंग का अभिप्राय
- ग्लोबल वार्मिंग के कारण
- ग्लोबल वार्मिंग से हानियाँ
- बचाव के उपाय

उत्तर-

(क) महात्मा गांधीजी की 150वीं जयंती

मनाने के उद्देश्य

महात्मा गांधी हमारे देश के राष्ट्रपिता हैं। देश में उनकी 150वीं जयंती 2 अक्टूबर 2019 को बड़ी धूमधाम से मनाई गई। इस जश्न में स्कूल, कॉलेज और अन्य संस्थानों ने जमकर हिस्सा लिया। इस माध्यम से लोगों ने गांधी जी के विचारों को जन-जन तक पहुँचाने की कोशिश की गई। इस अवसर पर हमारे प्रधानमंत्री मोदी ने देश को खुले में शौच से मुक्त घोषित किया।

गांधीजी का जीवन

गांधीजी का जन्म 2 अक्टूबर 1869 में गुजरात के पोरबंदर में हुआ था। उनके पिता का नाम करमचंद और माता का नाम पुतलीबाई था। उनका पूरा नाम मोहनदास करमचंद गांधी था। संसार में वे सत्य और अहिंसा के पुजारी के रूप में जाने जाते हैं। महात्मा गांधी अपने सादा जीवन और उच्च विचारों के कारण सबके प्यारे बापू और राष्ट्रपिता बन गए।

आजादी के आंदोलन में भूमिका

भारत के आजादी के आंदोलन में महात्मा गांधी जी ने बहुत ही महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। महात्मा गांधी जी ने असहयोग आंदोलन, सविनय अवज्ञा आंदोलन और भारत छोड़ो आंदोलन

और नमक सत्याग्रह जैसे आंदलनों के कारण अंग्रेज अपनी नीतियाँ बदलने और भारत छोड़ने पर मजबूर हो गए।

प्रासंगिकता

महात्मा गांधी जी का जीवन और उनकी शिक्षा आज भी हमारे लिए बहुत प्रासंगिक है। उन्होंने हमे यह भरोसा दिलाया कि बड़ी से बड़ी लड़ाई सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलकर जीती जा सकती है। सफाई के प्रति गांधीजी की शिक्षा को सम्मान देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने इस अवसर पर पूरे देश को खुले में शौच से मुक्त घोषित किया।

(ख) महानगरीय भीड़भाड़ और मेट्रो

यातायात और भीड़भाड़

महानगरों में लोग सुबह होते ही काम पर निकल जाते हैं। महानगरों में लोगों के आवागमन के अनेक साधन होते हैं। इससे सड़कों पर सुबह होते ही भीड़ लग जाती है। यातायात के साधनों की बहुलता और भीड़ के कारण लोगों को बहुत परेशानी उठानी पड़ती है। इससे लोगों को कई बार ट्रैफिक जाम में घंटों फँसे रहना पड़ता है।

प्रदूषण की समस्या

अत्यधिक मात्रा में यातायात और भीड़भाड़ के कारण महानगरों में प्रदूषण की समस्या बढ़ जाती है। गाड़ियों का शोर ध्वनि प्रदूषण को बढ़ाता है। गाड़ियों से निकलती जहरीली गैसें हमारे

जीवन और पर्यावरण के लिए बहुत ही हानिकारक हैं। इनसे तरह-तरह की बीमारियाँ फैलती हैं।

मेट्रो रेल की भूमिका

यातायात से बचने के लिए आज के युग में मेट्रो आवागमन का सबसे लोकप्रिय साधन बन गया है। महानगरों के व्यस्त जीवन और शोरगुल वाले माहौल में मेट्रों से यात्रा करना आनंददायक होता है। मेट्रो में यात्रा करते समय यात्री ट्रैफिक से बच जाते हैं। इससे यात्रियों का समय भी बचता है और उन्हें सुकून भी मिलता है।

मेट्रो के लाभ

मेट्रो में यात्रा करने के बहुत लाभ हैं। मेट्रो के अनुशासन, सेवाएँ साफ-सफाई और समय की पाबंदी के कारण हम बहुत सारी असुविधाओं से बच जाते हैं। मेट्रो का एयर कंडीशंस कोच हमारे मन को सुकून देता है। उसकी तुरंत चिकित्सा सेवाएँ हमारे जीवन के लिए लाभदायक हैं। मेट्रों में दिव्यांगों के लिए जितनी सुविधाएँ मिलती है, उतनी शायद ही किसी सार्वजनिक यातायात के साधन में मिलती है। मेट्रो हमारे समाज और पर्यावरण दोनों के लिए लाभदायक है।

(ग) ग्लोबल वार्मिंग और जन-जीवन

ग्लोबल वार्मिंग का अभिप्राय

ग्लोबल वार्मिंग का अभिप्राय है-हमारी धरती की सतह पर औसतन तापमान का बढ़ना। ग्लोबल वार्मिंग दुनिया के सभी देशों के लिए एक विकट समस्या है।

ग्लोबल वार्मिंग के कारण

ग्लोबल वार्मिंग का सबसे बड़ा जिम्मेदार मनुष्य है। मनुष्य आर्थिक विकास और सुविधाओं के लिए बिजली, उर्वरक, जीवाश्मों का अत्यधिक मात्रा में दोहन करता जा रहा है। इससे धरती पर जीवन पर संकट मँडराने लगा है। प्राकृतिक सुविधाओं के अत्यधिक दोहन से धरती पर कार्बन डाइऑक्साइड और ग्रीन हाउस गैसों में निरंतर वृद्धि हो रही है। इस कारण धरती की सतह पर तापमान की अत्यधिक वृद्धि हो रही है। इससे जलवायु में आकस्मिक सूखा, बाढ़ और सुनामी आ रहे हैं और जन-जीवन प्रभावित हो रहा है।

ग्लोबल वार्मिंग से हानियाँ

धरती पर कार्बन डाइऑक्साइड, नाइट्रोजन आदि गैसों में निरंतर वृद्धि से अप्रत्याशित चक्रवात, सूखा, बाढ़, सुनामी इत्यादि मानव जीवन पर बहुत हुरा प्रभाव डाल रहे हैं। इन गैसों की अत्यधिक मात्रा से ओजोन परत को नुकसान पहुँच रहा है। इन गैसों के अत्यधिक उत्सर्जन से कई जीव-जंतु धीरे-धीरे अपना अस्तित्व खोते जा रहे हैं। यदि पर्यावरण में इन गैसों की मात्रा

बढ़ती रही तो वह दिन दूर नहीं की धरती पर जीवन ही न बच पाए।

बचाव के उपाय

ग्लोबल वार्मिंग से धरती पर पाए जाने वाले सभी जीवोम पर खतरा मँडरा रहा है। इसका सबसे बड़ा कारण हमारी विलासिता और हमारी बुरी आदतें हैं। हमारे द्वारा पेड़ों की अंधाधुंध कटाई, बिजली, उर्वरकों और जीवाश्मों आदि के अत्यधिक उपयोग से धरती पर ग्रीन हाउस गैसों की मात्रा बढ़ रही है। हमें पेड़ो की कटाई पर तुरंत रोक लगाना चाहिए। जरूरत से ज्यादा बिजली का उपयोग नहीं करना चाहिए। हमें अधिक मात्रा में वृक्षारोपण करना चाहिए, तभी हम अपनी धरती और पर्यावरण को सुरक्षित कर पाएँगे और अपना जीवन बचा पाएँगे|

12. **पुस्तकालय में हिन्दी के प्रशिद्ध लेखकों की पुस्तकें मँगवाने के लिए प्राचार्य को एक प्राथना-पत्र लगभग 80 -100 शब्दों में लिखिए। 5**

अथवा

आपकी बड़ी बहन को चिकित्सा महाविद्यालय में प्रवेश प्राप्त हो गया है। इस सफलता के लिए बधाई-पत्र लगभग 80 -100 शब्दों में लिखिए।

उत्तर-

सेवा में,

प्रधानाचार्य महोदय- महोदया,

अ,ब, स विद्यालय,

दिल्ली-110001

महोदय,

सविनय निवेदन है कि हमारे पुस्तकालय में तुलसीदास मुंशी प्रेमचंद, जयशंकर प्रसाद आदि हिंदी के सुप्रसिद्ध लेखकों की पुस्तकें उपलब्ध नहीं हैं। इन लेखकों की पुस्तकें पढ़ने में मेरी गहन रुचि है।

तुलसीदास- रामचरित मानस

मुंशी प्रेमचंद- बड़े भाई साहब

जयशंकर प्रसाद- चंद्रगुप्त

अतः आपसे विनम्र प्रार्थना है कि उपरोक्त हिंदी के सुप्रसिद्ध लेखकों की पुस्तकें मँगवाने की कृपा करें। इसके लिए मैं आपका सदा आभारी रहूँगा।

सधन्यवाद,

आपका आज्ञाकारी शिष्य,

कखग

कक्षा- दसवीं

अथवा

आपकी बड़ी बहन को चिकित्सा महाविद्यालय में प्रवेश प्राप्त हो गया है। इस सफलता के लिए बधाई-पत्र लगभग 80-100 शब्दों में लिखिए।

कक्ष संख्या 20

अ ब स विद्यालय

छात्रावास, रामकृष्ण आश्रम मार्ग दिल्ली

आदरणीय दीदी

सादर प्रणाम।

दीदी अभी आपका पत्र मिला। इस पत्र में बड़ी ही सुखद सूचना प्राप्त हुई कि आपका लखनऊ के प्रसिद्ध चिकित्सा महाविद्यालय में प्रवेश मिल गया। यह जानकर मैं खुशी से फूला नहीं समा रहा हूँ। आपको हार्दिक बधाई देता हूँ। आपने दिन-रात पढ़ाई करके यह लक्ष्य हासिल किया है। अब मैं भी आपकी तरह मेहनत करके बोर्ड परीक्षा में अच्छे अंक लाने का प्रयास करूँगा।

आपकी इस महान सफलता पर आपको बहुत-बहुत बधाई। ईश्वर आगे भी आपको ऐसी सफलता प्रदान करे।

माता-पिता जी को मेरा चरणस्पर्श कहिएगा

पत्रोत्तर की आशा में,

आपका अनुज

कखग

दिनांक 19 जुलाई 2019

13. देश की जनता को 'मतदान अधिकार' के प्रति जागरूक करने के लिए मुख्य निर्वाचन आयुक्त कार्यालय की ओर से लगभग 25 -50 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए । 6

अथवा

आपके नगर में मिठाई की एक नई दुकान खुली है। इसके प्रचार के लिए एक विज्ञापन लगभग 25 -50 शब्दों में तैयार कीजिए।

उत्तर-

करिए आप जरूर मतदान,
आपसे लोकतंत्र की पहचान

मुख्य निर्वाचन अयुक्त कार्यालय
नई दिल्ली

अथवा

नवरत्न मिष्ठान भंडार की है पहचान

शुद्ध देसी घी से बनते सब मिष्ठान

आपके शहर में खुली है मिठाई की नई दुकान,

नवरत्न है उसका नाम और शुद्धता है उसकी पहचान।

नवरत्न मिष्ठान भंडार,

शालीमार बाग नई दिल्ली

CBSE Board Paper Solution-2020

कक्षा	: X
विषय	: **हिन्दी** (ब)
सेट	: **3**
कोड नं	: **4/2/3**
निर्धारित समय	: 3 **घण्टे**
अधिकतम अंक	: 80

सामान्य निर्देशः

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका अनुपालन कीजिएः

(i) पत्र चार खंड़ों में विभाजित किया गया है- क, ख, ग एवं घ। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(ii) खंड-क में प्रश्न अपठित गद्यांश पर आधारित हैं।

(iii) खंड-ख में प्रश्न संख्या 2 से 6 तक प्रश्न हैं।

(iv) खंड - ग में प्रश्न संख्या 7 से 11 तक प्रश्न हैं।

(v) खंड-घ में प्रश्न संख्या 12 से 16 तक प्रश्न हैं।

(vi) यथासंभव प्रत्येक खंड के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए।

(vii) उत्तर संक्षिप्त तथा क्रमिक होना चाहिए और साथ ही दी गई सीमा का यथासंभव अनुपालन कीजिए।

(viii) प्रश्न-पत्र में समग्र पर कोई विकल्प नहीं है। तथापि दो-दो अंकों वाले 2 प्रश्नों में, तीन अंक वाले 1 प्रश्न में और पाँच-पाँच अंकों वाले 6 प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं। पूछे गए प्रश्न का उत्तर लिखने के लिए सही विकल्प का ध्यान रखिए।

(ix) इनके अतिरिक्त आवश्यकतानुसार, प्रत्येक खंड और प्रश्न के साथ यथोचित निर्देश दिए गए हैं।

खंड 'क'

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिएः **10**

अपनी सभ्यता का जब मैं अवलोकन करता हूँ, तब लोगों को काम के संबंध की उनकी विचारधारा के अनुसार उन्हें विभाजित करने लगता हूँ। एक वर्ग में वे लोग आते हैं, जो काम को उस घृणित आवश्यकता के रूप् में देखते हैं, जिसकी उनके लिए उपयोगिता केवल धन अर्जित करना है। वे अनुभव करते हैं कि जब दिनभर का श्रम समाप्त हो जाता है, तब वे जीना सचमुच शुरू करते हैं और अपने आप में होते हैं। अब वे काम में लगे होते हैं, तब उनका मन भटकता रहता है। काम को वे उतना महत्व देने का कभी विचार नहीं करते, क्योंकि केवल आमदनी के लिए ही उन्हें काम की आवश्यकता है। दूसरे वर्ग के लोग अपने काम को आनंद और आत्मपरितोष पाने के एक सुयोग के रूप में देखते हैं। वे धन इसलिए कमाना चाहते हैं ताकि अपने

काम में अधिक एकनिष्ठता के साथ समर्पित हो सकें। जिस काम में वे संलग्न होते हैं, उसकी पूजा करते हैं।

पहले वर्ग में केवल वे लोग ही नहीं आते हैं, जो बहुत कठिन और अरुचिकर काम करते हैं। उसमें बहुत-से संपन्न लोग भी सम्मिलित हैं, जो वास्तव में कोई काम नहीं करते हैं। ये सभी धन को ऐसा कुछ समझते हैं, जो उन्हें काम करने के अभिशाप से बचाता है। इसके सिवाय कि उनका भाग्य अच्छा रहा है, वे अन्यथा उन कारखानों के मजदूरों की तरह ही हैं, जो अपने दैनिक काम को जीवन का सबसे बड़ा अभिशाप समझते हैं। उनके लिए काम कोई घृणित वस्तु है और धन वांछनीय, क्योंकि काम से छुटकारा पाने के साधन का प्रतिनिधित्व यही धन करता है। यदि काम को वे टाल सकें और फिर भी धन प्राप्त हो जाए, तो खुशी से यही करेंगे।

जो लोग काम में अनुरक्त हैं तथा उसके प्रति समर्पित हैं, ऐसे कलाकार, विद्वान और वैज्ञानिक दूसरे वर्ग में सम्मिलित हैं। वस्तुओं को बनाने और खोजने में वे हमेशा दिलचस्पी रखते हैं। इसके अंतर्गत परंपरागत कारीगर भी आते हैं, जो किसी वस्तु को रूप देने में गर्व और आनंद का वास्तविक अनुभव करते हैं। अपनी मशीनों को ममत्वभरी सावधानी से चलाने और उनका रख-रखाव करने वाले कुशल मिस्त्री और इंजीनियर इसी वर्ग से संबंधित हैं।

(क) कितने प्रकार के काम करने वाले लेखक को दिखाई देते हैं? इस विभाजन का आधर क्या है ? 2

(ख) जिन लोगों के लिए काम की उपयोगिता धन प्राप्त करना है, वे क्या अनुभव करते हैं? 2

(ग) दैनिक काम को जीवन का सबसे बड़ा अभिशाप समझने के दृष्टिकोण को कैसे बदला जा सकता है? 2

(घ) काम के प्रति समर्पित लोगों के वर्ग में कौन-कौन लोग आते हैं? 2

(ङ.) काम करना किनके लिए घृणित है? 1

(च) उपर्युक्त गद्यांश का उपर्युक्त शीर्षक दीजिए| 1

उत्तर-

क. लेखक को दो प्रकार के काम करने वाले वर्ग दिखाई देते हैं| पहले वर्ग में वे लोग आते हैं, जो काम को उस घृणित आवश्यकता के रूप में देखते हैं, जिसकी उनके लिए उपयोगिता केवल धन अर्जित करना है| दूसरे वर्ग के लोग अपने काम को आनंद और आत्मपरितोष पाने के एक सुयोग के रूप में देखते हैं|

ख. जिन लोगों के लिए काम की उपयोगिता धन प्राप्त करना है, वे अनुभव करते हैं कि जब दिनभर का श्रम समाप्त हो जाता है, तब वे जीना सचमुच शुरू करते हैं और अपने आप में होते हैं| जब वे काम में लगे होते है, तब उनका मन भटकता रहता है| काम को वे

उतना महत्त्व देने का कभी विचार नहीं करते, क्योंकि केवल आमदनी के लिए ही उन्हें काम की आवश्यकता है|

ग. जो अपने दैनिक काम को जीवन का सबसे बड़ा अभिशाप समझते हैं| उनके लिए काम कोई घृणित वस्तु है और धन वांछनीय, क्योंकि काम से छुटकारा पाने के साधन का प्रितिनिधित्व यही धन करता है| इस दृष्टि कोण बदलने के लिए यह आवश्यक है कि जो काम हम कर रहे है उसे मन लगा के करे और खुश होक करे|

घ. काम के प्रति समर्पित लोगों के वर्ग में ऐसे कलाकार, विद्वान और वैज्ञानिक सम्मिलत हैं जो वस्तुओं को बनाने और खोजने में वे हमेशा दिलचस्पी रखते हैं| इसके अंतर्गत परंपरागत कारीगर भी आते हैं, जो किसी वस्तु को रूप देने में गर्व और आनंद का वास्तविक अनुभव करते हैं| अपनी मशीनों को ममत्वभरी सावधानी से चलाने और उनका रख-रखाव करने वाले कुशल मिस्त्री और इंजीनियर इसी वर्ग से संबंधित हैं|

ङ. काम करना उनके लिए घृणित होता है जिन लोगों के लिए केवल धन अर्जित करना ही काम का उद्देश्य होता है|

च. उपर्युक्त गद्यांश का उपर्युक्त शीर्षक होगा- कर्म |

खंड 'ख'

2. 'शब्द' और 'पद' का अंतर उदाहरण देकर समझाइए। 1

उत्तर-

शब्द जब तक कोश में रहता है 'शब्द' कहलाता है किन्तु वाक्य में प्रयुक्त होने पर व्याकरणिक इकाइयों में बँधने पर वही शब्द 'पद' कहलाता है । जैसे - 'कमल' एक शब्द है किन्तु 'कमल सरोवर में खिलता है' वाक्य में प्रयोग होने पर वह 'पद' हो गया है।

3. निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार बदलिएः 1×3=3

(क) जो एक नौकर रख लिया है, वही बनाता - खिलाता है। (संयुक्त वाक्य में)

(ख) जो रुपए दादा भेजते हैं, उसे हम बीस-बाईस तक खर्च कर डालते हैं। (सरल वाक्य में)

(ग) मेरे बीमार होने पर तुम्हारे हाथ-पाँव फूल जाएँगे। (मिश्र वाक्य में)

उत्तर-

(क) एक नौकर रख लिया और वही बनाता- खिलाता है।

(ख) दादा के भेजे रूपये हम बीच-बरस तक खर्च कर डालते है।

(ग) यदि मैं बीमार हुआ तो तुम्हारा हाथ पाँव फूल जायेंगे।

4. (क) निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रह करके समास का नाम भी लिखिएः

1×2=2

(i) यथासंभव **(ii) राहखर्च**

(ख) निम्नलिखित विग्रहों के समस्त पद बनाकर समास का नाम भी लिखिएः

1×2

(i) कमल के समान नयन **(ii) फूल और पत्ते**

उत्तर-

(क) (i) जैसा संभव हो - अव्ययीभाव समास

(ii) राह के लिए खर्च - तत्पुरुष समास

(ख) (i) कमल नयन - कर्मधारय समास

(ii) फूल - पत्ते - द्वन्द समास

5. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्धकरके लिखिएः **1×4=4**

(क) आईए, पधारिए, आपका स्वागत है।

(ख) क्या आप यह कहानी पढ़े हैं?

(ग) गाय काली घास चर रही है।

(घ) मेरे को पढ़ना है।

उत्तर-

(क) पधारिये, आपका स्वागत है।

(ख) क्या आपने यह कहानी पढ़ी है।

(ग) काली गाय घास चर रही है।

(घ) मुझे पढ़ना है।

6. निम्नलिखित मुहावरों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिएः 1×4=4

(क) रंगे हाथ पकड़ना

(ख) बीड़ा उठाना

(ग) बाएँ हाथ को खेल

(घ) जान बक्श देना

उत्तर-

(क) मैंने रोहन को चोरी करते रंगे हाथ पकड़ लिया।

(ख) हमने स्वछता रखने का बीड़ा उठाया है।

(ग) निंबंध लिखना मेरे बाएँ हाथ का खेल है।

(घ) जाओ, मैंने तुम्हारी जान बख्श दी।

खंड 'ग'

7. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर लगभग 30 - 40 शब्दों में लिखिए: 2x3=6

(क) लेखक के ग्वालियर से मुंबई तक प्रकृति और मनुष्य के सम्बन्धो में किन बदलावों को महसूस किया?'अब कहाँ दूसरे के दुःख से दुखी होने वाले' पथ के आधार पर स्पष्ट कीजिए ।

(ख) तताँरा-वामीरो के त्याग के बाद उनके समाज में क्या सुखद परिवर्तन आया?

(ग) 'एक संगठित समाज कृतसंकल्प हो तो ऐसा कुछ भी नहीं जो वह ना कर सके।' 'डायरी का एक पन्ना' पाठके सम्बन्ध में कहे गए उक्त कथन की उदाहरण सहित पुष्टि कीजिए।

(घ) कर्नल को वजीर अली के अफ़साने सुनकर रॉबिन हुड के कारनामे क्यों याद आ गए?

उत्तर-

(क) **लेखक पहले ग्वालियर में रहता था फिर बम्बई के वर्सोवा में रहने लगा। प्ले घर बड़े-बड़े होते थे, दालान आँगन होते थे अब डिब्बे जैसे घर होते है, पहले सब मिलकर रहते थे अब सब अलग-अलग रहते है, इमारतें है पशु-पक्षियों के रहने के लिए स्थान नहीं रहे, पहले अगर वे घोंसले बना लेते थे तो उनका ध्यान रखा जाता था पर अब उनके आने के रास्ते बंद दिए जाते हैं।**

(ख) ततॉंरा- वामीरो के त्याग के बाद समाज में यह सुखद परिवर्तन आया कि उन्होंने वहरूडी तोड़ साली जिसके अनुसार अंडमान में एक गांव दो गांवो के लोग आपस में विवहा संबंध रखने लगे।

(ग) यह सच हैं कि यदि 'एक संगठित समाज कृतसंकलप हो तो ऐसा कुछ भी नहीं जो वह न कर सके।' कलकत्ता में 26 जनवरी 1931 के दिन सरे नगरवासियों ने मिलकर चार बजकर चौबीस मिनट पर पार्क में झंडा फहराने का संकलप किया पुलिस के लाख बल-प्रयोग और गिरफ्तारियों के बाद भी महिलाओं ने झंडा फहराकर प्रतीक्षा

पढ़ी। यदि समाज संगठित होकर किसी एक लक्ष्य कीऔर लाठीचार्ज से घायल हिन्दुस्तानियों ने अपना संकलप पूरा किया।

(घ) रॉबिन हुड एक ऐसा पात्र हैं जो अमीरो से लूटकर गरीबो में बाँट देता हैं। और पुलिस उसे पकड़ नहीं पति। उसी प्रकार वजीर अली भी अंग्रेजो के वकील की हत्या कर फरार हैं पर लोकप्रिय होने के कारण अंग्रेजी सेना अपने पुरे दलबल के साथ होने पर भी उसे पकड़ नहीं पति हैं। इसलिए कर्नल को वजीर अली के अफ़साने सुनकर रोबिनहुड के कारनामे याद आ गए।

8. लगभग 80 - 100 शब्दों में उत्तर लिखिए: 5

'पतझर में टूटी पत्तियों' में गांधीजी के संदर्भ में दो प्रकार के सोने की चर्चा क्यों की गयी है और कैसे कहा जा सकता है की गाँधीजी गिन्नी का सोना थे? अपना तर्कसम्मत मत व्यक्त कीजिए।

अथवा

पढ़ाई और परीक्षा के प्रति बड़े भाई साहब और छोटे भाई के दृष्टिकोण में क्या मौलिक अंतर है? आपके विचार से दोनों में सामंजस्य किस प्रकार बिठाया का सकता है?

उत्तर-

'पतझड़ में टूटी पत्तियां' में गाँधीजी के सन्दर्भ में दो प्रकार के सोने की चर्चा इसलिए की हैं क्योंकि सोना दो प्रकार का होता हैं' एक गिन्नी का सोना जो 24 कैरेट शुद्ध होता होता हैं और उससे आभुषण नहीं बन सकता। लेकिन उसमें ताँबे की मिलावट के बाद

आभूषण बन सकते हैं। उसी प्रकार आदर्श गिन्नी का सोना हैं परन्तु व्यवहार में उतरने के लिए थोड़ा व्यवहार में मिलावट करनी पड़ती हैं परन्तु गाँधीजी गिन्नी का सोना थे वे आदर्शों में व्यवहार की मिलावट न करके व्यवहार में ही आदर्शों को उतार लेते थे।

अथवा

पढ़ाई और परीक्षाओं के प्रति बड़े भाई और छोटे भाई के दृष्टिकोण में मौलिक अंतर निम्नलिखित है-

छोटा भाई पढ़ाई को रटता नहीं समझता है जबकि बड़े भाई साहब समस्त सामग्री को रटते थे और विद्या को रटंत मानते थे। छोटा भाई खेलता भी था जिससे उसका मस्तिष्क तरोताजा हो जाता था और वह पाठ को अच्छी तरह से समझने में समर्थ होता था। परंतु बड़े भाई साहब खेलते नहीं थे और इस कारण उनका ध्यान पढ़ाई में नहीं लग पाता था। छोटा भाई रोज का टास्क रोज पूरा करता था जबकि बड़े भाई संभवतः ऐसा नहीं करता था। मुख्य रूप् से दोनों के दृष्टिकोण में मुख्य अंतर यह था कि छोटा भाई शिक्षा को सहजता से लेता था जबकि बड़े भाई बोझ समझकर। हमारे विचार से दोनों में सामंजस्य दृष्टिकोण बदलकर किया जा सकता है।

9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 30 - 40 शब्दों में लिखिए: 2x3=6

(क) 'तोप' कविता के अलोक में विरासत में मिली चीजों के महत्व पर अपना दृष्टिकोण लिखिए।

(ख) 'आत्मत्राण' कविता में किसी सहायक पर निर्भर न रहने की बात कवि क्यों कहता है? स्पष्ट कीजिए।

(ग) श्रीकृष्ण के पीले वस्त्र पर बिहारी ने क्या कल्पना की है? इस कल्पना का सौंदर्य समझाइए।

(घ) 'कर चले हम फ़िदा' गीत में सैनिको की देशवासियों से क्या अपेक्षाएँ है?

उत्तर-

(क) 'तोप' कविता के द्वारा पता चलता है कि विरासत में मिली चीजें महत्वपूर्ण हैं। ये ऐतिहासिकता को बनाती हैं जिससे हमें अपने इतिहास की जानकारी मिलती हैं। विरासत में मिली चीजें शोध आदि में काम आती है। इसके अतिरिक्त ये किसी स्थान की शोभा भी बढ़ाती हैं।

(ख) 'आत्मत्राण' कविता में किसी सहायक पर निर्भर न रहने की बात कवि इसलिए कहता है क्योंकि वह अपने दुख को दूर करने की प्रार्थना कर अपना आत्म सम्मान नष्ट नहीं करना चाहता वह ईश्वर से अपने दुख और उत्तरदायित्वों से खुद ही निपटने की शक्ति मागता है।

(ग) श्रीकृष्ण के पीले वस्त्र पर बिहारी ने यह कल्पना की है कि मानो कृष्ण का साँवला शरीर नीलमणि पर्वत हो और उनके द्वारा पहना गया पीतांबर सूरज की धूप सी लग रही है और ऐसा लग रहा है मानों नीलमणि पर्वत पर सूर्य की पीली धूप पड़ रही हो।

(घ) 'कर चले हम फिदा' गीत में सैनिकों की देशवासियों से यह अपेक्षाएँ हैं कि उनके प्राणोत्सर्ग के बाद भी देशवासी कुर्बानी की राह वीरान नहीं होने देंगे और निरंतर देश की राह में बलिदान होते जाएँगें और धरती रूपी सीता को राम-लक्ष्मण की भाँति बचाएँगे और देश का सिर नीचा नहीं होने देंगे।

10. लगभग 80 - 100 शब्दों के उत्तर लिखिए: 5

'मनुष्यता' कविता के द्वारा कवि ने क्या प्रतिपादित करना चाहा है? विस्तार से स्पष्ट कीजिए। 5

अथवा

कबीर के दोहे के आधार पर कस्तूरी की उपमा को स्पष्ट कीजिए। मनुष्य को ईश्वर प्राप्ति के लिए क्या करना चाहिए? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर-

मैथिली शरण गुप्त प्रणीत 'मनुष्यता' कविता में कवि उसी व्यक्ति को मनुष्य मानता है जो परोपकार हेतु जीवित रहता है। सरस्वती भी उसी उदारमना की कथा बखानती है लोगों की स्मृति में भी वही व्यक्ति अमर रहता है जो अखंड आत्मभाव से समस्त सृष्टि को देखता है। इसके लिए वह रंतिदेव, दधीचि, राजा शिवि और वीर कर्ण के उदाहरण देते हुए हमें परोपकार की प्रेरणा देता है कहता है। कवि के अनुसार यदि मनुष्य मनुष्य की उन्नति हेतु प्रयत्न करेगा और एक-दूसरे की सहायता करेगा तो देवता भी उसका साथ देंगे। समस्त मनुष्यों के एक ही पिता परमेश्वर की संतान होने के कारण उनमें

बंधुत्व का नाता है। अतः हमें एक - दूसरे की सहायता करते हुए अपने इच्छित मार्ग पर आगे बढ़ना चाहिए। पारस्परिक एकता को बनाए रखकर मार्ग में आने वाली सभी विपत्तियों व विध्नों को दूर हटा देना चाहिए क्योंकि मनुश्य समर्थ तभी माना जाता है ज बवह केवल अपनी ही उन्नति न करे वरन् समाज की भी उन्नति करे इसलिए हमें ऐसी मृत्यु प्राप्त करनी चाहिए जो मानवता के हित में कार्य करते हुए आए क्योंकि यदि हमारा जीवन परोपकार के लिए नहीं है तो हमारा जीवन मरण व्यर्थ है क्योंकि अपनी ही सुविधाओं के लिए जीना तो पशुओं का स्वभाव है, मनुष्य का नहीं। सच्चा मनुष्य तो वही है जो परोपकार के लिए मरता है।

अथवा

कस्तूरी मृग की नाभि में स्थित सुगंधित पदार्थ है। जिसकी सुगंध को ढूँढता मृग सारे वन में भागता फिरता है। इसी प्रकार ईश्वर मनुष्य के अंतर में स्थित होता है और वह उसे मंदिरों- मस्जिदों में ढँूढता फिरता है। जबकि मनुष्य को ईश्वर प्राप्ति के लिए माया मोह के बँधनों को तोड़कर सच्चे हृदय से ईश्वर का ध्यान करना चाहिए। प्रत्येक प्राणि में ईश्वर के दर्शन करने चाहिए। तभी ईश्वर की प्राप्ति हो सकती है। कबीर ने कहा है कि मन के अहंकार को त्याग कर ही ईश्वर की प्राप्ति हो सकती है।

11. लगभग 60 - 70 शब्दों में उत्तर लिखिए: 3x2=6

(क) महंत द्वारा हरिहर काका का अपहरण महंत के चरित्र की किस सचाई को सामने लाता है? ठाकुरबाड़ी जैसी संस्थाओ से कैसे बचा जा सकता है?

(ख) समाज में समरसता बनाये रखने के लिए टोपी और इफ़्फ़न जैसे पात्रों का होना आवश्यक है- तीन तर्क देकर पुष्टि कीजिए।

उत्तर-

क. महंत द्वारा हरिहर काका का अपहरण महंत के चरित्र की सचाई को सामने लाता है कि वे ज़मीन के लालच में हरिहर काका की सेवा कर रहे थे और उनकी ज़मीन पर नज़र गड़ाए हुए थे| जब हरिहर काका ने ज़मीन को ठाकुरबारी के नाम करने से मना कर दिया तो उनका अपहरण कर जबरदस्ती काका के अंगूठे के निशान ले लिए| इस घटना के बाद उन्हें महंत और ठाकुरबारी से नफ़रत हो गई| काका के भाइयों ने पुलिस की मदद से ठाकुरीबारी से काका को मुक्त कराया| मुक्त होने के बाद उन्होंने महंत और उनके साथियों का पर्दाफाश किया| ऐसे ठाकुरबाड़ी संस्था से लोगों को बचना चाहिए| वह पर काम-धंधा करने वाले लोग बातों से ही बेवकूफ बनाते हैं| ऐसे लोगों का सामाजिक बहिष्कार कर देना चाहिए|

ख. समाज में समरसता बनाए रखने के लिए टोपी और इफ़्फ़न जैसे पात्रों का होना आवश्यक है क्योंकि सर्वप्रथम तो दोनों के बीच धर्म की कोई दीवार नहीं थी दोनों धर्म से परे गहरे मित्र थे| एक-दूसरे से मिले बिना उन्हें चैन नहीं आता था जो समाज के सहिष्णु

होने के के लिए आवश्यक है| धार्मिक आधार पर भेदभाव समाज को तोड़ना है जबकि इफ़्फ़न और टोपी की जैसी निश्छल मित्रता समाज को जोड़ती है| दूसरे वे दोनों आर्थिक आधार पर भी अलग-अलग अलग-अलग स्तर के होने के बावजूद गहरी मित्रता रखते थे इफ्फन के पिता कलक्टर थे जबकि टोपी के पिता डॉक्टर थे फिर दोनों में मित्रता थी| यही संदेश समाज के लिए भी है कि ऊँच-नीच के आधार पर भेदभाव समाज में नहीं होना चाहिए| तीसरे पारिवारिक दबावों के बाद भी इफ़्फ़न और टोपी की दोस्ती अटूट रहती है| इससे समाज को यह संदेश जाता है कि किंही भी परिस्थितियों में आपसी सामंजस्य नहीं टूटना चाहिए| सांप्रदायिक सद्भव बना रहना चाहिए|

खंड (घ)

12. आपकी बस्ती के पार्क में कई अनधिकृत खोमचे वालो ने डेरा डाल दिया है, उन्हें हटाने के लिए नगर निगम अधिकारी को लगभग 80 - 100 शब्दों में पत्र लिखिए। 5

अथवा

दूर्दशन निदेशालय को लगभग 80 - 100 शब्दों में पत्र लिखकर अनुरोध कीजिए कि किशोरों ले लिए देशभक्ति के प्रेरणा देने वाले अधिकाधिक कार्यक्रमों को प्रसारित करने की ओर ध्यान दिया जाए।

उत्तर-

नगर-निगम अधिकारी को पत्र

सेवा में,

नगर-निगम अधिकारी महोदय

नगर निगम, लखनऊ 20

दिनांक- 23-09-2019

विषय- बस्ती के पार्क में डेरा डालने वाले अनधिकृत खोमचे वालों को हटाने के लिए पत्र

महोदय,

मै आपका ध्यान लखनऊ के गोमती नगर मोहल्ले के पार्क में डेरा डालने वाले अनधिकृत खोमचे वालों की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ। लगभग पंद्रह दिन से कुछ खोमचे वाले पार्क में डेरा डाले हुए हैं। वे बिना सूचना के यहाँ रह रहे हैं। वे बच्चों को कुछ खाने की चीजें बेचते हैं। बच्चे उनसे वस्तुएँ खरीदते हैं और चीजें खाकर उसके पैकेट पूरे पार्क में फैले हैं। इससे यहाँ रहने वालों को बहुत असुविधा हो रही है।

अतः आपसे प्रार्थना है कि इस मामले में व्यक्तिगत रूप से हस्तक्षेप करते हुए पार्क से अनधिकृत खोमचे वालों को जल्द से जल्द हटाने की कृपा करें।

सधन्यवाद,

भवदीय

कखग

बी-5-11,

गोमती नगर, लखनऊ(उ.प्र.)

अथवा

दूरदर्शन निदेशालय को पत्र

सेवा में,

मुख्य प्रबंध,

दूरदर्शन निदेशालय,

दिल्ली

विषय- किशोरों के लिए देशभक्ति की प्रेरणा देने वाले कार्यक्रमों को प्रसारित करने हेतु अनुरोध पत्र

महोदय- महोदया,

सविनय निवेदन है कि आजकल दूरदर्शन पर देशभक्ति की प्रेरणा देने वाले कार्यक्रम बहुत कम प्रसारित होते हैं। आज के किशोरों में देशभक्ति की भावना कम देखने को मिलती है। वे सब अपने-अपने शौक पूरा करने में मशगूल रहते हैं। इस कारण उनमें देश के प्रति जिम्मेदारी कम दिखाई पड़ती है। ऐसे में यदि आप देशभक्ति से प्रेरित कार्यक्रम अधिक से अधिक दिखाएँगे, तो इससे बच्चों के अंदर देशभक्ति की भावना बढ़ेगी। ऐसे कार्यक्रम किशोरों को प्रेरित करेंगे और उनमें देश के प्रति प्रेम की भावना विकसित होगी।

अतः आपसे निवेदन है कि देशभक्ति से प्रेरित कार्यक्रमों को अधिक से अधिक दिखाकर किशोरों को प्रेरित करें। आपकी इस सहायता के लिए मैं सदा आपका आभारी रहूँगा।

सधन्यवाद

भवदीय

कखग

13. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर 80 - 100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए। 6

(क) सत्यमेव जयते

- **भाव**
- **झूठ के पाँव नहीं होते**
- **सत्य ही परम् धर्म**

(ख) लड़का-लड़की एकसमान

- **ईश्वर की देन**
- **भेदभाव के कारण**
- **दृष्टिकोण कैसे बदले**

(ग) शिक्षक - शिक्षार्थी सम्बन्ध

- **संबंधो की परम्परा**
- **वर्तमान समय में आया अंतर**
- **हमारा कर्तव्ये**

उत्तर-

(क) सत्यमेव जयते

सत्यमेव जयते का अर्थ है सत्य की हमेशा जीत होती है। सत्यमेव जयते हमारे राष्ट्रीय प्रतीक के नीचे लिखा गया है। यह इसलिए लिखा गया है कि प्रत्येक भारतीय सत्य के रास्ते पर चलें। सत्य का मार्ग कठिन होता है, लेकिन उस पर चलने वाले लोगों की हमेशा जीत होती है। महात्मा गांधी जी ने सत्य के मार्ग पर चलकर ही देश से अंग्रेजों को खदेड़ दिया। इसके विपरीत झूठ बोलने वाला व्यक्ति कभी सफल नहीं होता। उसका व्यवहार और आचरण सबको खटकता है। उस पर कोई भी चाहकर भी विश्वास नहीं कर पाता। जबकि जिस व्यक्ति के दिल में सत्य रहता है,वह कभी असफल नहीं होता। इसलिए हमें सत्य को अपना धर्म मानकर उस पर चलने की निरंतर कोशिश करनी चाहिए।

(ख) लड़का-लड़की एक समान

पुरुष और महिलाएँ एक-दूसरे के पूरक हैं। ऐसे में पुरुषों और महिलाओं में भेदभाव करना उचित नहीं है। जब ईश्वर पैदा करते समय लड़के-लड़कियों में भेद नहीं करते, तो हमें भी नहीं करना चाहिए। पहले की बात अलग थी, जब लड़कियों को सिर्फ़ चूल्हे-चौके और शादी तक ही सीमित माना जाता था। आज के युग में लड़कियाँ लड़कों से न केवल बराबर कंधा मिलाकर चल रही हैं, बल्कि उनसे आगे भी जा रही हैं। अतएव

हमें लड़कियों के प्रति अपने दृष्टिकोण बदलने होंगे। लड़कियों को उचित शिक्षा देनी होगी। लड़के और लड़कियों में भेदभाव न कर दोनों को एक समान मानना चाहिए। सरकार ने भी लड़कियों के जन्म से लेकर पढ़ाई, नौकरी, बीमा आदि क्षेत्र में काफी योगदान दिया है। अब लड़कियाँ किसी पर बोझ नहीं हैं. बल्कि आसमान में उड़ान भर रही हैं। इसलिए हमें भी लड़के-लड़कियों को एकसमान मानते हुए उनके भविष्य को उज्ज्वल बनाने में सहायता करनी चाहिए।

(ग) शिक्षार्थी और शिक्षक का सबंध

प्राचीन भारत में शिक्षार्थी और शिक्षक का रिश्ता बहुत पवित्र माना जाता था। उस समय शिक्षार्थी गुरुकुल में रहकर अपने गुरु से शिक्षा ग्रहण करता था और हर कार्य में उनकी सहायता करता था। शिक्षक भी अपने शिष्यों को शिक्षा देकर विद्वान से साथ-साथ नैतिक और गुणवान भी बनाता था। यही कारण है कि कबीरदास जी ने गुरु को ईश्वर से बढ़कर माना है। लेकिन आज का परिदृश्य पूरी तरह बदल गया है। कई बार शिक्षकों द्वारा शिक्षार्थियों पर किए गए दुर्व्यवहार बहुत क्रूर होते हैं। कुछ छात्रों की अपने शिक्षकों के प्रति अक्खड़ता भी दिखाई देती है। शिक्षार्थी भी अपने शिक्षकों का सम्मान नहीं करते। ऐसे समय में शिक्षक और शिक्षार्थी दोनों को अपने-अपने व्यवहारों में परिवर्तन लाना होगा। शिक्षकों को

शिक्षार्थियों को विषय ज्ञान के साथ-साथ नैतिक पाठ भी पढ़ाने होंगे और शिक्षार्थियों को भी अपने शिक्षकों का सम्मान करना सीखना होगा।

14. चोरी की घटना के बाद पूछताछ के लिए नियुक्त पुलिस इंस्पेक्टर और पीड़ित महिला के बीच संवाद को लगभग 50 - 60 शब्दों में लिखिए। 5

अथवा

आपके शहर में लाउडस्पीकर के बढ़ते शोर पर दो पड़ोसियों की बातचीत संवाद के रूप में लगभग 50 - 60 शब्दों में लिखिए। 5

उत्तर-

पुलिस इंस्पेक्टर और पीड़िता महिला के बीच संवाद

पुलिस इंस्पेक्टर- (पीड़िता महिला से)- आपके घर में चोरी कितने बजे हुई

पीड़िता महिला- श्रीमान मुझे नहीं पता। चोर ने शायद कोई नशीली दवा सुंघा दी थी।

पुलिस इंस्पेक्टर-आपको कब पता चला कि आपके घर में चोरी हुई।

पीड़िता महिला- सुबह पाँच बजे उठकर रसोई में गई तो वहाँ फ्रिज, माइक्रोवेव आदि नहीं था। तब पता चला कि घर में चोरी हुई है।

पुलिस इंस्पेक्टर- आपको किसी पर शक है।

पीड़िता महिला- नहीं श्रीमान।

पुलिस इंस्पेक्टर- ठीक है हम इसका पता लगाएँगे। इस बारे में कोई सूचना मिलते ही आपको सूचित किया जाएगा।

पीड़िता महिला- धन्यवाद श्रीमान।

अथवा

राकेश- यार महेश, आज दो दिन से शहर मे लाउडस्पीकर बज रहा है। इससे बहुत शोर हो रहा है।

महेश- हाँ यार, इस शोर की वजह से पढ़ाई भी ढंग से नहीं हो पा रही है।

राकेश- हाँ, परीक्षा भी आने वाली है,

महेश- क्या हमें इस शोर से बचने के लाउडस्पाकर को बंद कराने की कोशिश करनी चाहिए।

राकेश- करानी तो चाहिए, पर कैसे कराया जाए।

महेश- चलो, चलकर इस बारे में पता करते हैं।

15. अपने विद्यालय में होने वाले निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर के आयोजन से संबंधित विज्ञापन लगभग 25 - 50 शब्दों में तैयार कीजिए। 5

अथवा

आप अपना कम्प्यूटर बेचना चाहते है। इससे सम्बंधित विज्ञान लगभग 25 - 50 शब्दों में तैयार कीजिए।

उत्तर-

निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर के आयोजन पर विज्ञापन

निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर

दिनांक- 23-08-2019

समय- प्रातः 10.00 बजे से सायं 5 बजे तक

नोट- विभिन्न प्रकार के बीमारियों का इलाज कुशल चिकित्सकों द्वारा किया जाएगा।

निवेदक- प्रधानाचार्य, अ ब स विद्यालय

स्थान- अ ब स विद्यालय नई दिल्ली

अथवा

बिकाऊ है

मुझे मेरा दो साल पुराना कंप्यूटर बेचना है। इच्छुक खरीदार स्वयं ही संपर्क करें।

पता- घर संख्या, 23 ब, कमल कॉलोनी, कखग नगर

मोबाइल नं. 091.....

16. अपनी बस्ती को स्वच्छ रखने हेतु कल्याण समिति के सचिव होने के नाते इससे संबंधित सूचना 40-50 शब्दों में लिखिए। 5

अथवा

आप अपने विद्यालय की छात्र संस्था के सचिव है तथा विद्यालय में 'चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित करवाना चाहते है। इससे संबंधित सूचना 40 - 50 शब्दों में लिखिए।

उत्तर-

अ, ब,स कालोनी, दिल्ली

सूचना

बस्ती को स्वच्छ रखना

आपको जानकर यह खुशी होगी कि अ ब स कॉलोनी की साफ-सफाई करने का आयोजन किया जा रहा है। आप सभी निवासियों के इस कार्य में बढ़-चढ़कर भाग लेना होगा।

कार्यक्रम इस प्रकार है-

दिनांक - 4 जुलाई 2019

समय- सुबह 10य00 बजे

स्थान- अ ब स कॉलोनी, दिल्ली

आदित्य

सचिव

कल्याण समिति

अथवा

अ ब स विद्यालय, दिल्ली

सूचना

चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन

आपको यह जानकर अत्यंत खुशी होगी कि विद्यालय में चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इसमें विद्यालय के सभी विद्यार्थी भाग ले सकते हैं। कार्यक्रम का आयोजन इस प्रकार है-

दिनांक- 12 जुलाई 2019

स्थान- विद्यालय का सभागार

समयः सुबह 10.00 बजे

कार्यक्रम में भाग लेने के लिए प्रधानाचार्य के ऑफिस में संपर्क करें।

अखिल

(सचिव)

छात्र संस्था